अभ्यास पत्रक

पाठ – पर्वत प्रदेश में पावस

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. काव्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"झरनों का है कल-कल रिन-झिन
गिरि का गौरव गाकर नित नित
गा रही अमर गाथा जग में
यह अटल काल का अविरल क्रंदन।"

1. झरनों की ध्वनि कवि को किस रूप में प्रतीत होती है?

उत्तर - .....
.....

2. 'गिरि का गौरव गाकर' पंक्ति में कौन-सी विशेषता छिपी है?

उत्तर - .....
.....

3. 'अटल काल का अविरल क्रंदन' किस भाव का प्रतीक है?

उत्तर - .....
.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** कविता में प्रकृति को जीवंत और भावप्रवण रूप में चित्रित किया गया है।
   कारण: कवि ने मानवीकरण शैली का प्रयोग कर प्रकृति को मनुष्य की तरह व्यवहार करते हुए दर्शाया है।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** कविता में वर्षा को दुख और निराशा का प्रतीक बताया गया है।
   कारण: कवि ने पर्वत की कठोरता और वीरानता का उल्लेख किया है।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: गलत

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. "झरनों का कल-कल रिन-झिन" किस अलंकार का उदाहरण है?
   (क) उपमा (ख) अनुप्रास (ग) रूपक (घ) यमक

7. कविता में कौन-सा वृक्ष वर्षा से डरकर 'धँस गया' है?
   (क) देवदार (ख) चीड़ (ग) शाल (घ) बरगद

8. 'काल का अविरल क्रंदन' पंक्ति में किसका उल्लेख है?
   (क) पतझड़ का (ख) झरनों का (ग) तालाब का (घ) पर्वत का

9. 'गिरिवर के उर से' का तात्पर्य है—
   (क) पर्वत के तल से (ख) पर्वत के ऊपर से (ग) पर्वत के हृदय से (घ) पर्वत के नीचे से

10. कविता में तालाब को किससे तुलना की गई है?
    (क) आईने से (ख) मोती से (ग) दीप से (घ) दीपशिखा से

eGyanArchive

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. कविता में झरनों की ध्वनि को कौन-सी अनुभूति का प्रतीक बनाया गया है?

उत्तर - .....

.....

.....

12. 'तालाब है दर्पण पर्वत का' – यह पंक्ति किस दृश्य की सुंदर कल्पना है?

उत्तर - .....

.....

.....

13. कवि ने वर्षा के समय वातावरण को किस भाव के साथ चित्रित किया है?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने किस प्रकार प्रकृति के माध्यम से आत्मचिंतन और ऊँचाई की प्रेरणा दी है?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "वर्षा केवल जल का गिरना नहीं, वह पर्वत और मन दोनों की आत्मा को झकझोरने वाला अनुभव है" – इस कथन की पुष्टि कविता के आधार पर कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. झरनों की ध्वनि कवि को एक निरंतर गीत, उत्सव और भावनात्मक गाथा जैसी प्रतीत होती है।
2. इसमें पर्वत की महिमा, गौरव और उसके मौन जीवन की प्रशंसा व्यक्त की गई है।
3. यह काल की निरंतरता, गंभीरता और चिरंतनता का प्रतीक है।
4. (क)
5. (घ)
6. (ख)
7. (ग)
8. (ख)
9. (ग)
10. (क)
11. कवि ने झरनों की ध्वनि को प्रकृति का संगीत और जीवन की सततता का प्रतीक माना है।
12. यह दृश्य दर्शाता है कि जैसे मनुष्य दर्पण में स्वयं को देखता है, वैसे ही तालाब में पर्वत की छवि प्रतिबिंबित हो रही है।
13. कवि ने वातावरण को कभी उल्लासपूर्ण, कभी गंभीर, और कभी भय मिश्रित रूप में प्रस्तुत किया है।

14. कविता में कवि ने पर्वत की ऊँचाई, उसकी निस्पंदता और झरनों की ध्वनि के माध्यम से यह संकेत दिया है कि प्रकृति मौन रहकर भी बहुत कुछ कहती है। पर्वत की ओर देखने वाले वृक्ष उच्च आकांक्षा का प्रतीक हैं, तो झरने निरंतर प्रवाह का। तालाब में पर्वत की छवि आत्मचिंतन की ओर संकेत करती है। यह कविता हमें प्रकृति से ऊँचा सोचने, भीतर झाँकने और मौन में सार्थकता खोजने की प्रेरणा देती है।

15. कविता 'पर्वत प्रदेश में पावस' में वर्षा केवल प्राकृतिक घटना नहीं है, बल्कि कवि ने इसे एक आध्यात्मिक अनुभव के रूप में प्रस्तुत किया है। झरनों की ध्वनि जहाँ प्रकृति का संगीत है, वहीं पर्वत की छाती से निकली यह धारा मनुष्य की अंतरात्मा को झकझोरती है। बादलों का गड़गड़ाना, वृक्षों का डरकर झुकना, तालाब में पर्वत की छवि – यह सब मिलकर वर्षा को केवल जलवर्षा नहीं रहने देते, बल्कि इसे चेतना और अनुभूति का अनुभव बना देते हैं। यह कविता हमें प्रकृति की विराटता के सामने नत करने के साथ-साथ उसके मौन संकेतों को समझने का आह्वान करती है।